Signature and Name of Invigilator 1. (Signature) ______ (In figures as per admission card) (Name) ______ 2. (Signature) _____ Roll No. ______ (Name) ______

J 4 6 1 0

Test Booklet No.

Time : 2 ¹/₂ hours] PAPER-III
ADULT EDUCATION

Number of Pages in this Booklet: 24

Instructions for the Candidates

(Name)

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

Number of Questions in this Booklet: 26

[Maximum Marks : 200

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- 2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

J-4610 P.T.O.

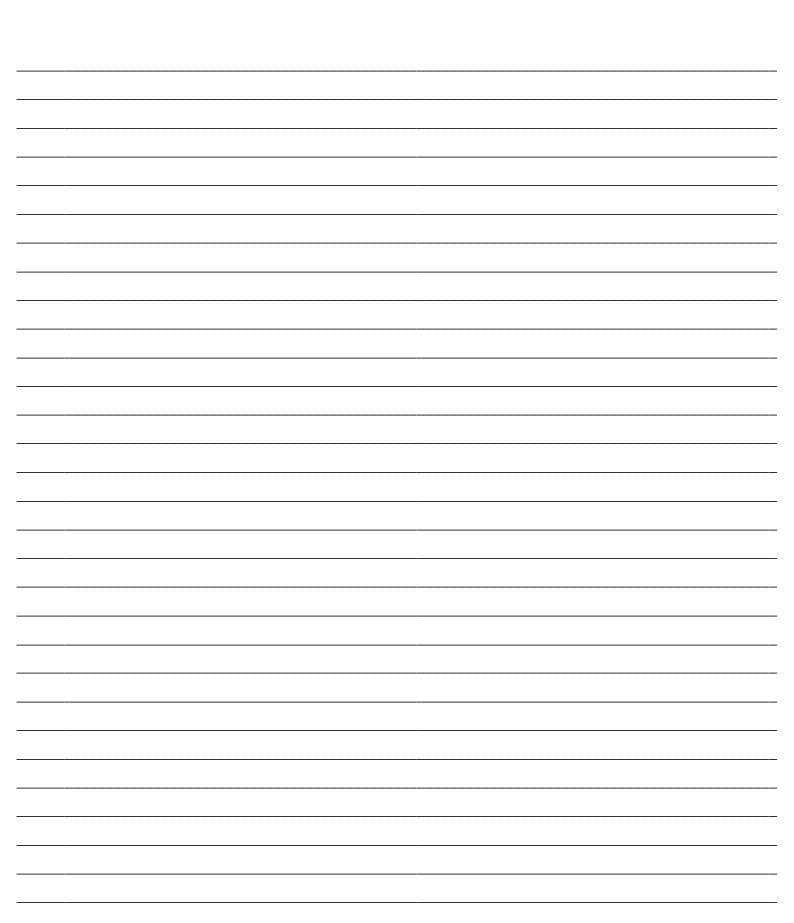
ADULT EDUCATION प्रौढ़ शिक्षा PAPER – III प्रश्नपत्र – III

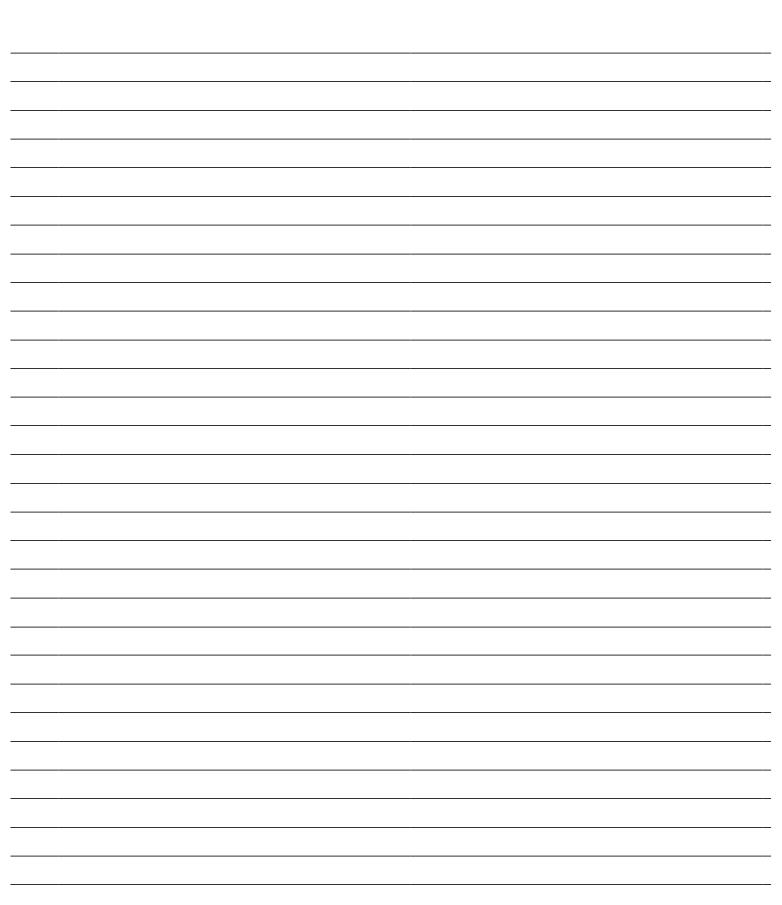
Note: This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

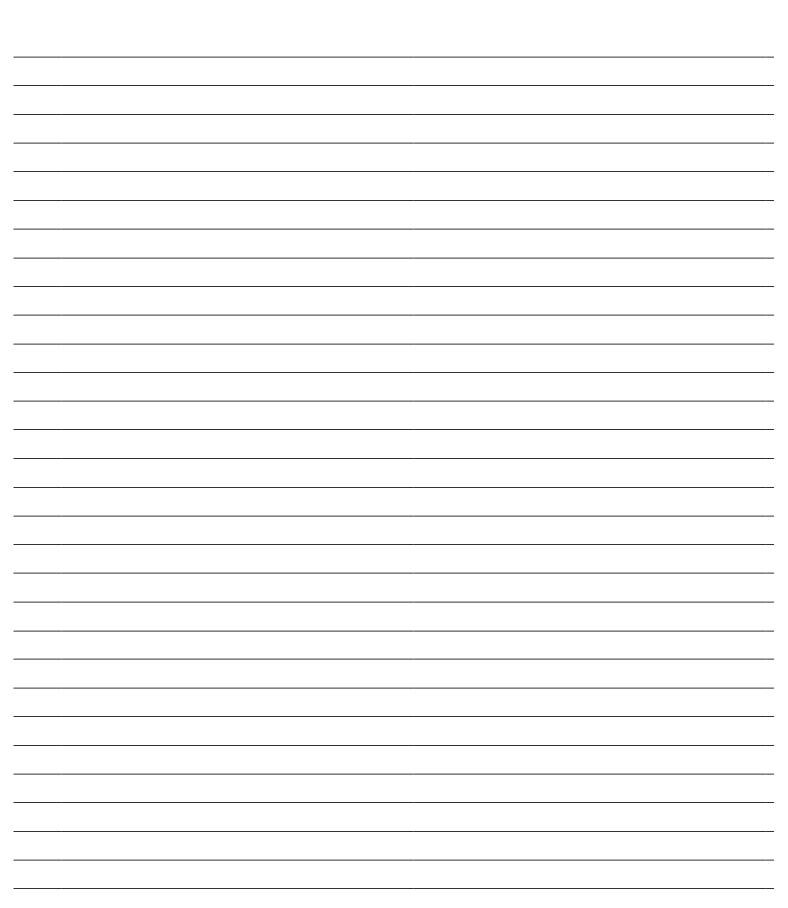
SECTION – I खंड – I

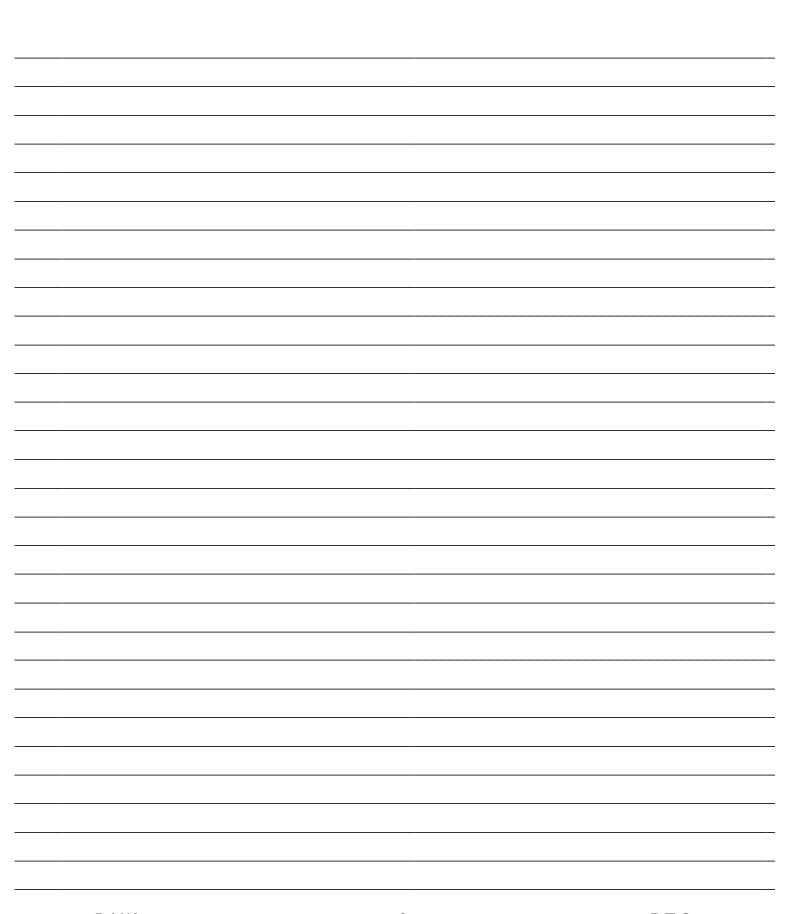
Note:	This section consists of two essay type questions of twenty (20) marks each, to be answered in about five hundred (500) words each. $(2 \times 20 = 40 \text{ marks})$
नोट :	इस खंड में बीस-बीस अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग पाँच सौ (500) शब्दों में अपेक्षित है । (2 × 20 = 40 अंक)
1.	Write an essay on role of Universities in life-long learning. आजीवन शिक्षा में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर निबन्ध लिखिए ।
	OR / अथवा
	Write an essay on current trends in Adult Education/life-long learning in India. भारत में प्रौढ़ शिक्षा/आजीवन अध्ययन के सम्बन्ध में वर्तमान प्रवृत्तियों पर निबन्ध लिखिए ।





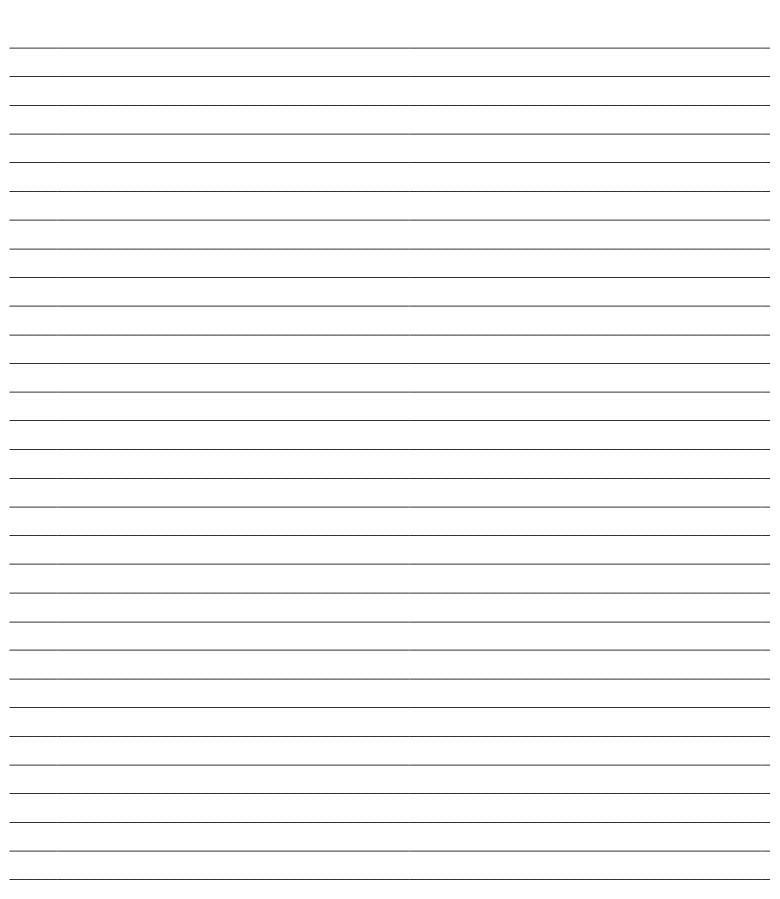
2	थे. Write an essay on communication technology in Educational Development in India. भारत के शैक्षणिक विकास में सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी पर निबन्ध लिखिए । OR / अथवा Write an essay on relevance of Population Education Programmes for stabilization of
	population in Índia. भारत में जनसंख्या के स्थिरीकरण के लिए जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर निबन्ध लिखिए ।

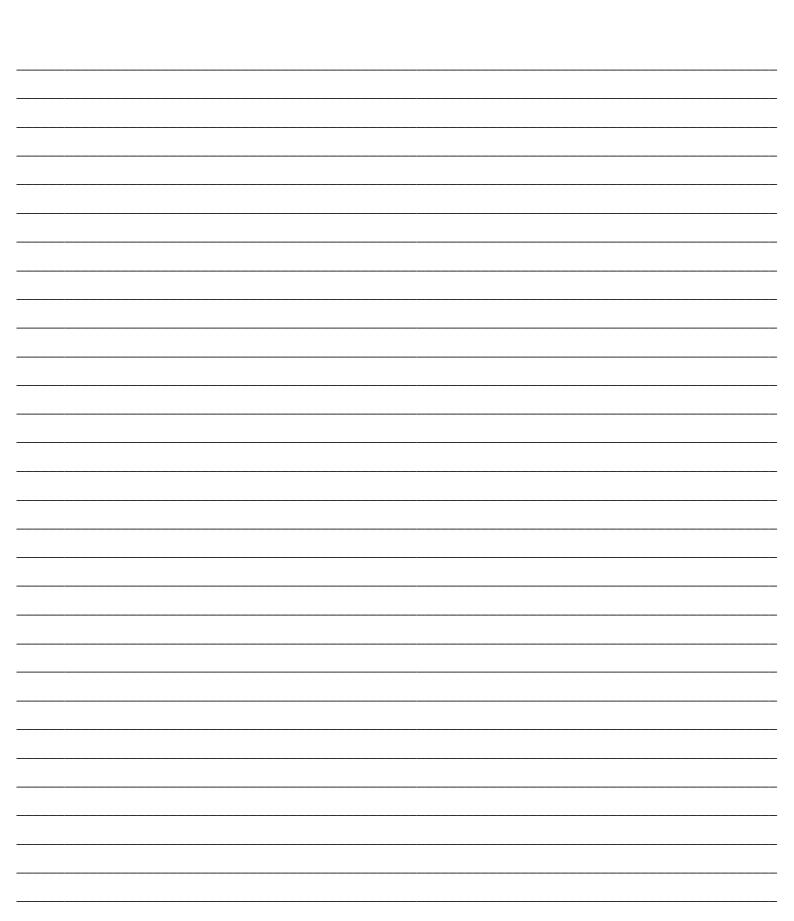


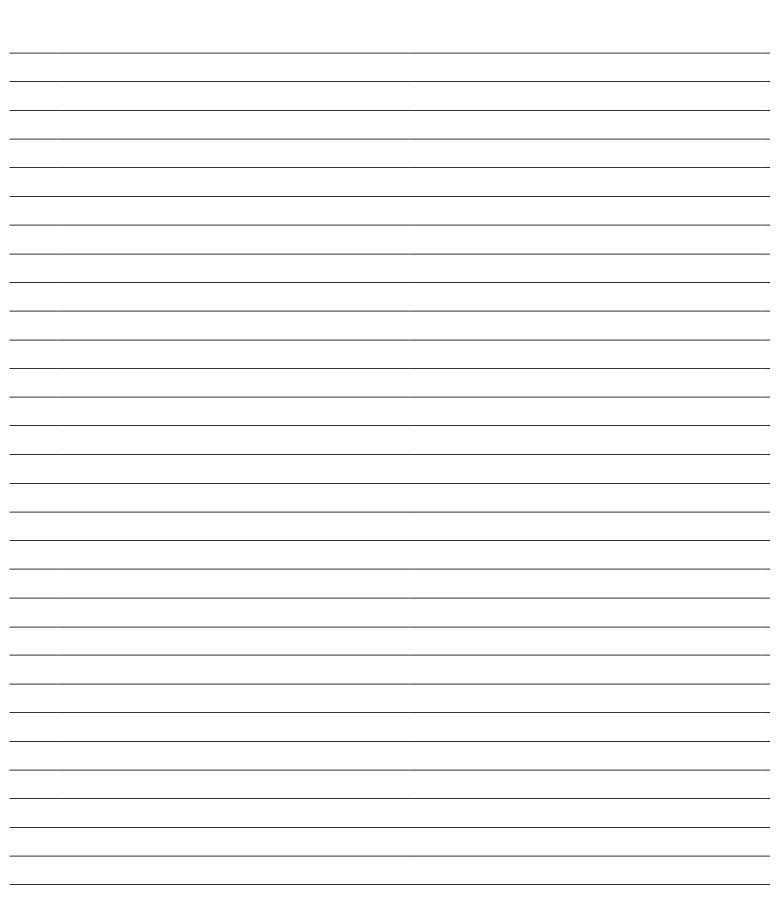


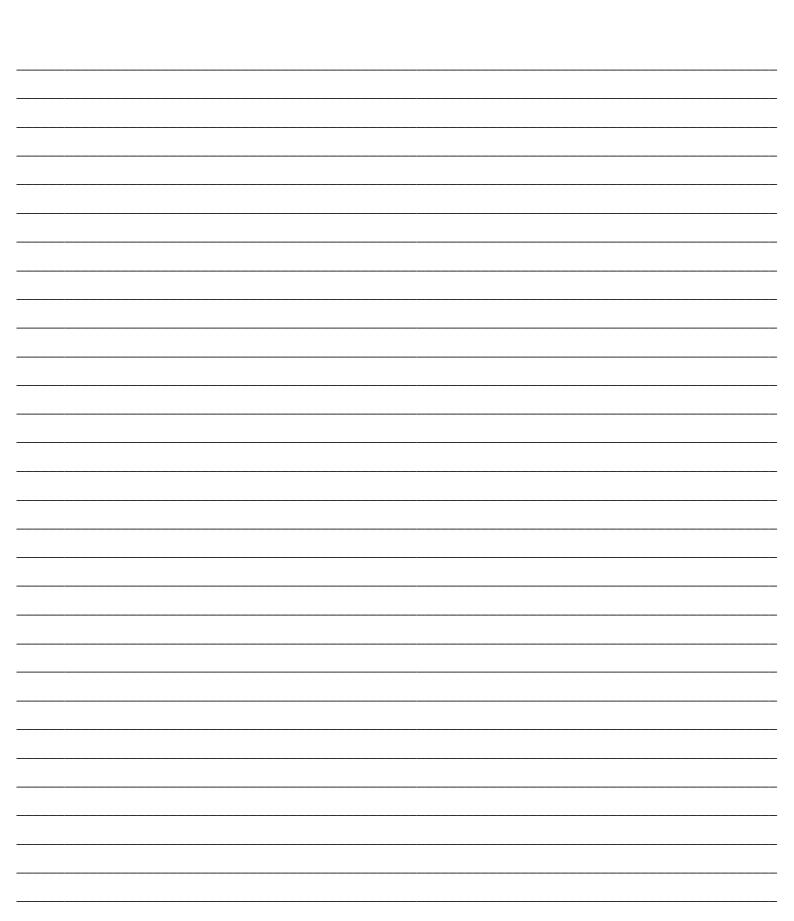
SECTION – II खंड – II

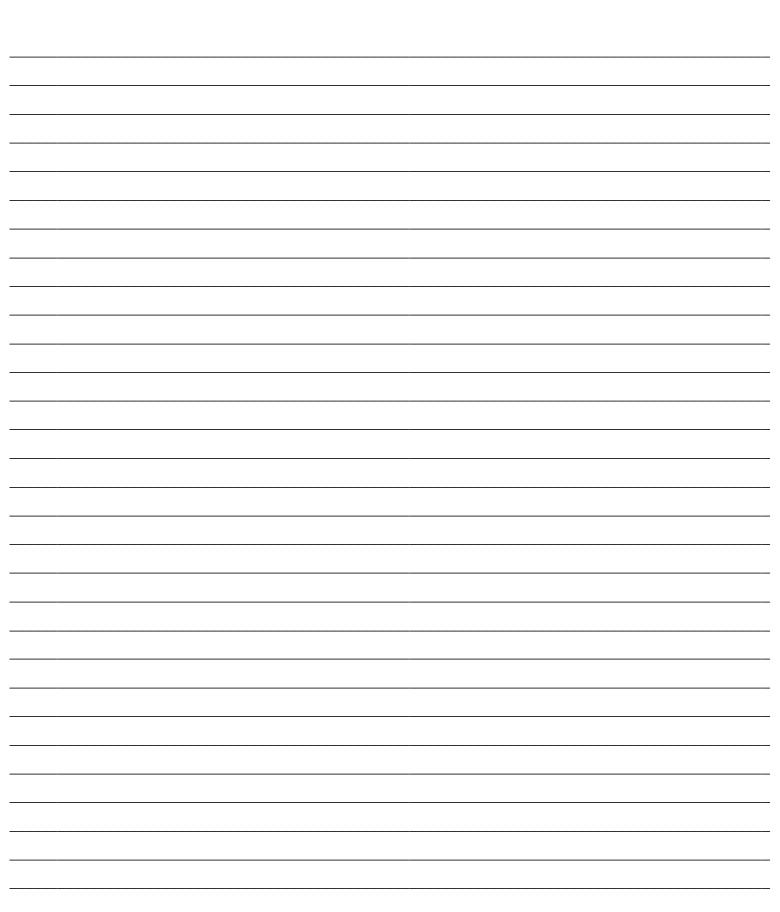
Note:	This section contains three (3) questions of fifteen (15) marks each to be answered in about three hundred (300) words. $(3 \times 15 = 45 \text{ marks})$
नोट :	इस खंड में पन्द्रह-पन्द्रह अंकों के तीन (3) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है । (3 × 15 = 45 अंक)
3.	Describe the impact of Mahatma Gandhi's philosophy of Education on contemporary Indian Education System. समकालीन भारतीय शिक्षा प्रणाली पर महात्मा गाँधी के शिक्षा दर्शन के प्रभाव का वर्णन कीजिए ।
4.	Evaluate Paulo Freire's idea of conscientization approach and socialist pedagogy. अन्तर्विवेकशीलता अभिगम और समाजवादी शिक्षाशास्त्र के बारे में पालो फ्रेरे के विचारों का मूल्यांकन कीजिए ।
5.	What is the difference between Adult Psychology and Child Psychology ? प्रौढ़ मनोविज्ञान एवं बाल मनोविज्ञान के बीच क्या अन्तर है ?
 J-4610	10

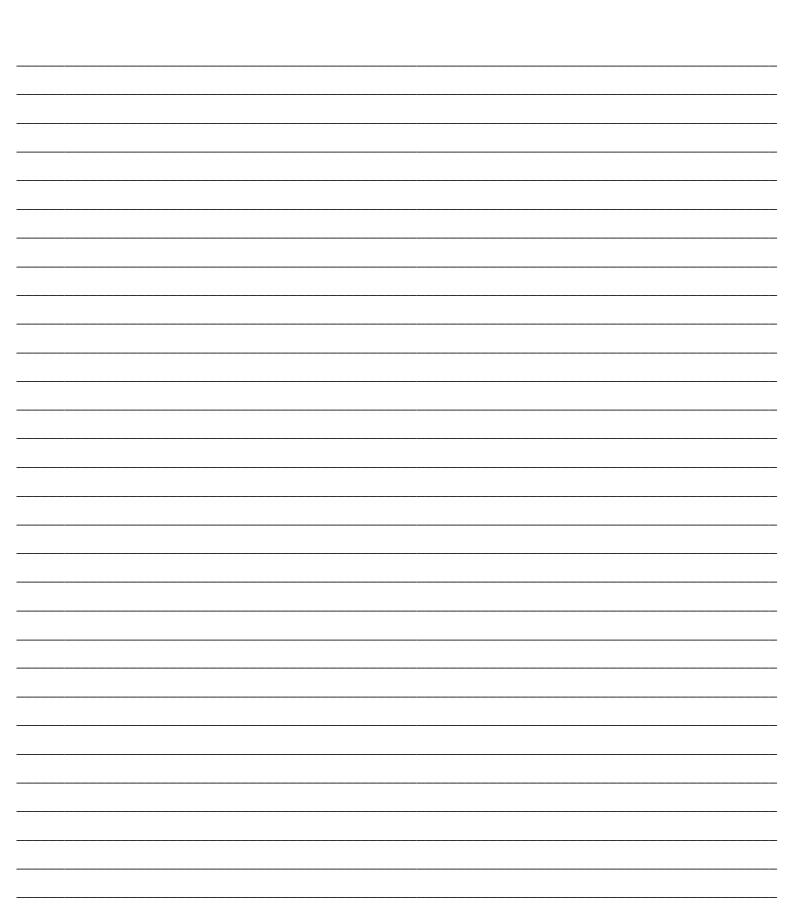












SECTION - III

खंड **– II**I

	45 - M
Note:	This section contains nine (9) questions of ten (10) marks, each to be answered in about fifty (50) words. $(9 \times 10 = 90 \text{ marks})$
नोट :	इस खंड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । $(9\times 10=90 \text{ अंक})$
6.	What is the importance of teaching-learning material in non-formal Education? Explain.
	गैर-औपचारिक शिक्षण में अध्ययन-अध्यापन सामग्री का क्या महत्त्व है ? व्याख्या कीजिये ।
7.	Critically evaluate the role of media in Population Education. जनसंख्या शिक्षा में संचार की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये ।

8.	Describe the significance of quality of leadership in Community Development. सामुदायिक विकास के लिये नेतृत्व की गुणवत्ता के महत्त्व की व्याख्या कीजिये ।
9.	Explain the various steps of communication process to reach the adult illiterates. प्रौढ़-निरक्षर तक पहुँच बनाने के लिये संचार प्रक्रिया के विविध चरण क्या हैं ? व्याख्या कीजिये ।
10.	Explain with examples the major steps of motivation in androgogy. एंड्रोगॉजी में अभिप्रेरणा के मुख्य चरणों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये ।

 -	
11.	What are the training methodologies used in non-formal Education ? Explain. गैर-औपचारिक शिक्षण में कौन सी प्रशिक्षण पद्धतियाँ उपयोग की जाती हैं ? स्पष्ट कीजिये ।
12.	Do you agree with the statement that "N.G.Os can better bring distributive social justice in our society". Explain with examples. क्या आप इस मत से सहमत हैं कि — "गैर-सरकारी संगठनों द्वारा ही बेहतर अनुपात में सामाजिक न्याय हमारे समाज में स्थापित हो सकता है" । सोदाहरण व्याख्या कीजिये ।
 	
 	

13.	What are the contents of lifelong Education in the context of India's changing scenario under globalization ? Explain.
	वैश्वीकरण के दौर में परिवर्तित हो रहे परिदृश्यों के संदर्भ में आजीवन शिक्षा की विषयवस्तु क्या है ? व्याख्या कीजिये ।
14.	Describe the importance of Short-term Continuing Education Courses in the context of changing needs of business and industries under globalization.
	वैश्वीकरण के अन्तर्गत व्यवसायों एवं उद्योगों की बदलती माँगों के संदर्भ में अल्पकालीन सतत शिक्षा पाठ्यक्रमों के महत्त्व का वर्णन कीजिये ।

SECTION – IV खंड – IV

Note: This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ marks})$

नोट: इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है । $(5 \times 5 = 25 \text{ अंक})$

If education is the foundation of all growth and progress, then aims, goals and objectives are the four interconnected and most significant components that gives direction to educational outcomes through the curricular content, syllabus and evaluations. These four components are highly influenced by four interconnected foundation blocks namely, epistemology (the nature of knowledge), society/culture, the individual and learning theories. But since aims, goals and objectives, collectively as a component of curriculum provide direction and focus for the entire education programme, they are particularly sensitive to these four fundamental forces.

It was Gandhiji, who in 1937 first recognized the interconnectedness of the eight curricular forces and questioned the futility of the British education system. Based on his wisdom and successful experiments with education in South Africa, he put forth a Basic Education Plan which had the merit of achieving one aim of peace and freedom, for which all mankind yearns today. Also, recognizing the futility of a centralized plan and control in implementing programmes, he also outlined a comprehensive but decentralized model to be implemented by the village Republics. The vital objective of his model was to develop productive and social skills among the masses. To the centre, remained the overall responsibilities of co-ordinating and guiding the work of the States so that national policies could evolve from the grass-roots.

यदि शिक्षा समस्त संवृद्धि और विकास की नींव है तो फिर लक्ष्य, ध्येय और उद्देश्य चार अंतर्सम्बद्धित और सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण संघटक हैं जो शैक्षिक परिणामों को पाठ्यचर्या सम्बन्धी विषयवस्तु, पाठ्यक्रम और मूल्यांकनों के जिरये दिशा प्रदान करते हैं । यह चार संघटक, चार अंतर्सम्बद्धित बुनियादी खंडों नामत: ज्ञानशास्त्र (ज्ञान की प्रकृति), समाज/संस्कृति, व्यक्ति और अध्ययन सिद्धान्तों द्वारा अत्यधिक प्रभावित होते हैं । परन्तु क्योंकि लक्ष्य, ध्येय और उद्देश्य,

पाठ्यचर्या के संघटक के रूप में सामूहिक रूप से समस्त शिक्षा कार्यक्रम के लिये दिशा और फोकस प्रदान करते हैं, वो इन चार बुनियादी शक्तियों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं।

गांधीजी ही थे, जिन्होंने 1937 में, आठ पाठ्यचर्या सम्बद्धित शक्तियों की अंतर्सम्बद्धता को सर्वप्रथम पहचाना और ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली की असारता पर प्रश्न उठाया । अपनी अक्लमंदी और दक्षिण अफ्रीका में शिक्षा के सफल प्रयोगों के आधार पर, उन्होंने बेसिक एजुकेशन प्लान प्रस्तुत किया । जिसमें, शान्ति एवं स्वतन्त्रता का लक्ष्य प्राप्त करने की योग्यता थी, और जिसके लिये आज मानवता लालायित है । और केन्द्रीकृत योजना की असारता और क्रियान्वित किये जा रहे कार्यक्रमों में नियन्त्रण को जानते हुए, उन्होंने विस्तृत परन्तु विकेन्द्रित मॉडल की रूपरेखा भी तैयार की जिसे ग्राम गणतन्त्रों द्वारा क्रियान्वित किया जाना था । उनके मॉडल का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य जनसाधारण में उत्पादक एवं सामाजिक कौशल विकसित करना था । राज्यों के कार्य को समन्वित करने और दिशानिदेशित करने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी केन्द्र की रही जिससे कि राष्ट्रीय नीतियाँ तृणमूल से क्रमानुसार विकसित हो सकें ।

15.	Education is the foundation of what ? शिक्षा किसकी आधारशिला है ?
16.	What are the four interconnected foundation Blocks ? चार अन्तर्सम्बद्धित बुनियादी खण्ड क्या हैं ?

17.	Who first recognised the interconnectedness and why ? अन्तर्सम्बद्धता को सर्वप्रथम किसने पहचाना और क्यों ?
-	
18.	Why centralised plan and control are futile ? केन्द्रीयकृत योजना और नियन्त्रण क्यों बेकार हैं ?
19.	How can national policies be evolved from the grass-roots ? राष्ट्रीय नीतियाँ किस प्रकार तृणमूल से विकसित हो सकती हैं ?

FOR OFFICE USE ONLY			
Marks Obtained			
Question	Marks		
Number	Obtained		
1			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			

Total Marks Obtained (in wo	ords)
(in fig	gures)
Signature & Name of the Co	oordinator
(Evaluation)	Date